एक कुत्ता और एक मैना

पाठ का सार / प्रतिपाद्य

यह पाठ रवींद्रनाथ ठाकुर के व्यक्तित्व में विद्यमान गुणों से हमारा परिचय करवाता है। वे पशु-पक्षियों के प्रति बहुत ही संवेदनशील थे। अतः हमें इससे पता चलता है कि मनुष्य के अंदर विद्यमान मानवीय भाव जैसे प्रेम, करुणा, समर्पण, आनंद आदि गुण समान रूप से पशु-पक्षियों के अंदर भी विद्यमान हैं। इस पाठ के अंदर हमें पशु-पक्षियों के जीवन तथा स्वभाव का बहुत ही स्पष्ट चित्र दिखाई देता है।

रवींद्रनाथ ठाकुर की चारित्रिक / स्वभावगत विशेषताएँ

- सरल
- विनम्र
- विनोदी
- अंतर्मुखी
- एकांत प्रिय
- संवेदनशील
- वात्सल्य से भरपूर
- प्रकृति तथा पशु-पक्षी प्रेमी

पाठ का उद्देश्य

- यह पाठ हमें पशु-पक्षियों के जीवन तथा स्वभाव की झलक देता है।
- यह पाठ हमारे अंदर कहीं खो गई संवेदनशीलता को जगाने का प्रयास करता है।

पाठ से मिलने वाली शिक्षाएँ / संदेश / प्रेरणा

- यह पाठ शिक्षा पशु-पक्षियों से प्रेम करने की प्रेरणा देता है।
- यह पाठ हमें अपने आस-पास के वातावरण से जुड़ने की प्रेरणा देता है।